किमत्र बहुनोक्तेन
शास्त्रकोटि शतेन च ।
दुर्लभा चित्त विश्रान्तिः
विना गुरुकृपां परम् ॥

Meaning in Hindi

बहुत कहने से क्या ? करोडों शास्त्रों से भी क्या ? चित्त की परम् शांति, गुरु के बिना मिलना दुर्लभ है ।

ePaperPDF.com